मुंबई-अहमदाबाद हाई स्पीड रेल गलियारा : प्रशिक्षण व सलाहकार सेवाओं हेतु जापान रेलवे तकनीकी सेवा के साथ एमओयू

नेशनल हाई स्पीड रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एनएचएसआरसीएल) ने मुंबई अहमदाबाद हाई स्पीड रेल गलियारे (पैकेज सं. एमएएचएसआर-टी-1, टी-2 और टी-3 के तहत) के ट्रैक के निर्माण हेतु प्रशिक्षण एवं प्रमाणन और सलाहकार सेवाओं के लिए जापान रेलवे तकनीकी सेवा (जेएआरटीएस) के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए।

एमएएचएसआर परियोजना के ट्रैक पैकेज को भारतीय ठेकेदारों के लिए इस शर्त पर खोला गया है कि साइट पर काम शुरू होने से पहले इन ठेकेदारों के यहां काम करने वाले श्रमिकों को शिनकानसेन ट्रैक टेक्नोलॉजी से संबंधित विशेष तकनीकी प्रशिक्षण हासिल करना होगा। शिनकानसेन जापान की उच्च गति रेल में उपयोग की जाने वाली स्लैब ट्रैक प्रणाली बहुत अनोखी है और इसके लिए विशेष मशीनों को इस्तेमाल करने की जरुरत पड़ती है। इसी तरह की प्रणाली एमएएचएसआर परियोजना के लिए भी अपनाई जाएगी।

समझौता ज्ञापन के अनुसार, जेएआरटीएस प्रशिक्षण एवं प्रमाणन (टी एंड सी) सेवाएं (कार्य की शुरुआत से पहले) और सलाहकार सेवाएं (पहले निष्पादन के दौरान) प्रदान करेगा। इन सेवाओं में सामग्री तैयार करने का प्रशिक्षण, क्लासरूम प्रशिक्षण और ऑनसाइट प्रशिक्षण शामिल है। ट्रैक ठेकेदारों को जेएआरटीएस के साथ अलग से सर्विस समझौता करना होगा। इस सर्विस समझौते के नियम एवं शर्तों को अंतिम रूप दिया जा चुका है और इसे एमओयू में शामिल कर लिया गया है।

अनुमान के मुताबिक, इसके तहत 1,000 से अधिक लोगों को प्रशिक्षित और प्रमाणित किया जाएगा। ज्यादातर प्रशिक्षण भारत में होगा, जिसके लिए सूरत में अलग से अस्थायी प्रशिक्षण सुविधा तैयार की जाएगी। क्योंकि रेल वेल्डिंग के लिए 'एनक्लोज्ड आर्क' वेल्डिंग का कार्य अभी भारत में नहीं किया जा सकता, इसलिए 'एनक्लोज्ड आर्क' पर लगभग 60 दिनों का प्रशिक्षण जापान में दिये जाने की परिकल्पना की गई है। इसके अलावा, कोविड-19 की स्थिति के आधार पर, कुछ इंजीनियरों को जापान में ऑनसाइट प्रशिक्षण देने की योजना भी बनाई जा सकती है। यह पहल 'ट्रांसफर ऑफ टेक्नोलॉजी' में मदद करेगी और भारतीय ट्रैक इंजीनियरों के कौशल को भी बढ़ायेगी। यह भारत को उच्च गति रेल ट्रैक के निर्माण में आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक अहम कदम भी है। जेएआरटीएस के बारे में जानकारी जापान स्थित विदेशी रेलवे प्रौद्योगिकी सहयोग संगठन के रूप में जापान रेलवे तकनीकी सेवा (जेएआरटीएस) की स्थापना 1964 में टोकेडो लाइन शिंकानसेन की शुरुआत के अगले साल 1965 में की गई थी। इसकी स्थापना का मुख्य उद्देश्य दूसरे देशों द्वारा शिनकानसेन पर तकनीकी सहयोग के अनुरोध किए जाने पर प्रतिक्रिया देना था, जिससे हाई-स्पीड रेलवे के नए युग की शुरुआत हुई थी। तब से अब तक, जेएआरटीएस ने 60 से अधिक देशों के साथ तकनीकी सहयोग किया और दुनिया भर अलग-अलग हिस्सों में रेलवे के विकास में अपना अहम योगदान दिया। https:\\www.jarts.or.jp/english.html